भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर -2023-24

कक्षा-8th-2nd Lang	विभाग: हिंदी	Date – 22.08.23
Work Sheet-5	अपठित गद्यांश	Note: Pl. file in portfolio

नाम: _____**अनुभाग:** _____**अनुक्रमांक:** _____**दिनांक:** _____

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से चुनिए:

महान वैज्ञानिक आइज़क न्यूटन अत्यंत विनम्र स्वभाव के थे। उनकी मान्यता थी कि अहंकार हमारी मनुष्यता को खा जाता है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में की गई हमारी प्रगति भी हमारे लिए अभिशाप बन जाती है। कहा जाता है कि एक बार न्यूटन बहुत बीमार पड़े। अंतिम घड़ी निकट थी। उनके एक नज़दीकी मित्र ने उन्हें तसल्ली देते हुए कहा, "आपके लिए यह संतोष और गर्व की बात है कि आपने प्रकृति के रहस्यों को उजागर करने में बड़ी रुचि ली और उन्हें बड़े निकट से जानकर उजागर किया।"

सुनकर न्यूटन बोले, "संसार मेरे अनुसंधानों के बारे में कुछ भी कहे, लेकिन मुझे प्रतीत होता है कि मैं समुद्र-तट पर खेलने वाले उस बच्चे के समान हूँ, जिसको कभी-कभी अपने साथियों की अपेक्षा कुछ अधिक सुंदर पत्थर, सीप व शंख मिल जाते हैं। वास्तविकता तो यह है कि सत्य का अथाह समुद्र मेरे सामने अब भी बिन खोजा पड़ा है।"

(i) न्यूटन के मित्र ने उन्हें तसल्ली देते हुए क्या कहा था?

(क) आप अत्यंत विनम्र स्वभाव के हैं। (ख) आपका अहंकार मनुष्यता को खा गया।

(ग) हमारी प्रगति भी हमारे लिए अभिशाप बन गई। (घ) आपने प्रकृति के रहस्यों को उजागर किया।

(ii) न्यूटन को स्वयं अपने विषय में क्या प्रतीत होता था?

(क) उन्हें अपने साथियों की अपेक्षा कम चीज़ें मिलीं। (ख) उन्हें सुंदर पत्थर, सीप व शंख नहींमिलते।

(ग) वे समुद्र-तट पर खेलने वाले बच्चे के समान हैं। (घ) वे कभी बीमार नहीं पड़ेंगे।

(iii) न्यूटन के अनुसार वास्तविकता क्या है?

(क) सत्य की नदी बहती जा रही है।

(ख) सत्य का अथाह सागर अब भी बिन खोजा पड़ा है।

(ग) हमें सुंदर पत्थर, सीप व शंख इकट्ठे करने चाहिए।

(घ) जीवन में अत्यंत विनम्र होना आवश्यक है।

(iv) अहंकार किसका सर्वनाश करता है?

(क) अहंकार हमारी मनुष्यता को खा जाता है।(ग)केवल अंतिम घड़ी में संतोष और गर्व का नाश करता है।

(ख) हमारी प्रगति को वरदान बना देता है। (घ) उपर्युक्त सभी कथन सही है